समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

एयर इंडिया के बोइंग 787 विमानों की उड़ान पर पायलट महासंघ ने लगाई रोक की मांग

Publisher

Published on 11 Oct 2025

भारतीय एविएशन जगत में एक बार फिर **एयर इंडिया के बोइंग 787 विमानों** को लेकर हलचल मची हुई है। **भारतीय पायलट महासंघ (Indian Pilots' Federation)** ने सरकार को पत्र लिखकर एयर इंडिया के सभी बोइंग 787 विमानों की उड़ानों पर **तत्काल रोक लगाने** की मांग की है। पायलट महासंघ का कहना है कि तकनीकी खामियों और सुरक्षा से जुड़े गंभीर मसलों को देखते हुए यह कदम आवश्यक है।

पायलट महासंघ के अध्यक्ष ने पत्र में स्पष्ट किया कि बीते कुछ महीनों में बोइंग 787 विमानों में तकनीकी गड़बड़ियों और मेंटेनेंस संबंधी समस्याओं के कारण सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोपरि है, और ऐसे में इन विमानों की उड़ान जारी रखना जोखिम भरा हो सकता है।

सूत्रों के अनुसार, पायलट महासंघ ने सरकार से अपील की है कि **इन विमानों का विस्तृत तकनीकी निरीक्षण और परीक्षण** किया जाए, ताकि किसी भी तरह की अप्रत्याशित दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि आवश्यक सुधार और सुरक्षा उपायों के लागू होने तक इन विमानों की उड़ानों को स्थगित किया जाए।

एयर इंडिया के बोइंग 787 विमानों की सुरक्षा और तकनीकी विश्वसनीयता पर उठ रहे सवालों ने एयरलाइन इंडस्ट्री में भी चिंता पैदा कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि पायलट महासंघ की यह मांग यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का एक महत्वपूर्ण संकेत है। उन्होंने यह भी कहा कि एयर इंडिया को तुरंत अपने विमानों का निरीक्षण कराना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी उड़ानें सुरक्षित हैं।

पायलट महासंघ ने सरकार से कहा कि यदि इन विमानों की उड़ानें तत्काल नहीं रोकी गईं, तो भविष्य में सुरक्षा संबंधी बड़े हादसों का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह कदम न केवल यात्रियों के लिए बल्कि पायलटों और एयरलाइन कर्मचारियों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

एयर इंडिया के अधिकारियों ने फिलहाल इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन एविएशन विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पायलट महासंघ की मांग को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो इससे एयरलाइन की छवि पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, यात्रियों में भी सुरक्षा को लेकर डर और चिंता बढ़ सकती है।

बीते वर्षों में बोइंग 787 विमानों ने भारतीय एविएशन में अपनी खास पहचान बनाई है। इन विमानों की लंबी दूरी की क्षमता, ईंधन की बचत और यात्रियों को आरामदायक सुविधा प्रदान करने की खासियत के कारण यह एयरलाइन की प्रमुख उड़ानों में शामिल हैं। लेकिन तकनीकी खामियों और मेंटेनेंस के मुद्दों ने इन विमानों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पायलट महासंघ ने सरकार को यह भी चेतावनी दी कि यदि इन विमानों की नियमित और विस्तृत जांच नहीं कराई गई, तो इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय एविएशन सुरक्षा मानकों में भी असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यह कदम सिर्फ एयर इंडिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे भारतीय एविएशन उद्योग के लिए सुरक्षा की कसौटी बन सकता है।

सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से वायरल हो रही है। यात्रियों और एविएशन प्रेमियों के बीच चर्चा चल रही है कि पायलट महासंघ की मांग उचित है और सुरक्षा को प्राथमिकता देना हर एयरलाइन की जिम्मेदारी है। कई यूजर्स ने एयर इंडिया और सरकार से अपील की है कि इस मामले में शीघ्र और उचित कदम उठाए जाएं।

विशेषज्ञों का मानना है कि पायलट महासंघ की यह मांग **एविएशन सुरक्षा के लिए एक जागरूकता अभियान** भी साबित हो सकती है। इससे न केवल पायलटों और कर्मचारियों में सुरक्षा[?][?] बढ़ेगा, बल्कि यात्रियों में भी भरोसा कायम रहेगा।

बीसीसीआई के समान, भारतीय एयरलाइन इंडस्ट्री में भी सुरक्षा मानक और नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में पायलट महासंघ द्वारा उठाई गई मांग यह दर्शाती है कि सुरक्षा को किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता। एयर इंडिया को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी बोइंग 787 विमानों की उड़ानें पूरी तरह सुरक्षित और तकनीकी रूप से विश्वसनीय हैं।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार और एयर इंडिया के अधिकारी अगले कुछ दिनों में पायलट महासंघ के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर निर्णय ले सकते हैं। इस बैठक में तकनीकी निरीक्षण की रिपोर्ट, सुरक्षा उपाय और उड़ानों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

एयर इंडिया के बोइंग 787 विमानों की उड़ान पर लग सकती है रोक, और पायलट महासंघ की मांग के जवाब में जल्द ही कार्रवाई देखने को मिल सकती है। इस कदम से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और एयरलाइन की विश्वसनीयता भी बनी रहेगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.